राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 300
ध्रुव खत्म
सुपर कमांडो ध्रुव

ब्रह्मांड की हर चीज जीवन और मृत्यु के चक्र में घिरी है। हर चीज को एक न एक दिन खत्म होना है। ब्रह्मांड को, तारों को, सूर्य को, ग्रहों को, पृथ्वी को और पृथ्वी पर रहने वाले हर जीवित प्राणी को। पेड़-पौधों को, इंसानों को, पशुओं को और पक्षियों को, सबको।...

...ऐसे ही एक दिन मृत्यु का आहार बनकर हो जाएगा...

ध्रुव खत्म

और वह दिन...आज आ चुका है

कथा: जॉली सिन्हा. चित्र: अनुपम सिन्हा. इंकिंग: विनोद कुमार. सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय. सम्पादक: मनीष गुप्ता.

राजनगर- एक ऐसा महानगर जहां पर कदम- कदम पर पैसा कमाने के तरीके बिखरे पड़े हैं। सही भी और गलत भी! और इस गलत राह ने पैदा किए हैं माफिया गैंग्स-
और पैसों की हवस ने इन माफिया गैंगों को एक- दूसरे के खून का प्यासा बना दिया है, ताकि अपराध साम्राज्य पर कोई एक गैंग एकछत्र राज कर सके-
खत्म कर दो हारून को! इसी के साथ इसका पठानिया माफिया गैंग भी खत्म हो जाएगा!
और हमारे रास्ते का एक बहुत बड़ा कांटा निकल जाएगा!
तूने तो मुझे मीटिंग के वास्ते अकेले बुलाया था कमीने! तेरा मतलब मेरा अल्लाह से मीटिंग कराने का था!
पर तू क्या समझता है, बिल्लू बादशाह! कि हारून, उल्लू की कोख से पैदा हुआ है? पूरा इंतजाम करके आया है, हारून!
खोल दो दोजख का दरवाजा शाह गैंग के दोगलों के लिए!
अपनी वैन में छुपाकर लाया है, अपने गैंग को हारून कमीना! मुकाबला करो!

लेकिन शाह गैंग के आदमी तो सिर्फ एक आदमी को मारने आए थे! अत्याधुनिक हथियारों से लैस तीन आदमियों का मुकाबला करने के लिए नहीं-
आssss हं!
मेरे आदमी पके पपीतों की तरह गिर रहे हैं! यहां एक मौत को दावत देना है! भागता हूं!
बिल्लू शाह भाग रहा है बॉस!
भागेगा कहां? उसको तो मैं दौड़ा-दौड़ाकर मारूंगा!
ट्रांसमीटर से सिग्नल निकलते ही-
मौत आसमान से ही आती है! बिल्लू की मौत भी आसमान से ही आएगी!...
जवाब में एक हैलीकॉप्टर हाजिर हो गया-
वाह! आपने इसका भी इंतजाम करके रखा था, बॉस!
... मशीनगन, रॉकेट लांचर और मिसाइलों से लैस इस हैलीकॉप्टर के जरिए! चलो, सिमोन!

वड़ाम
ओssss! ओssss! मुझे आबादी की तरफ भागना चाहिए! वहां पर ये इन हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा!
चीईईईई
धमाकों से बचते बचाते, बिल्लू शाह तो राजनगर के आबादी वाले इलाके में आ गया था! लेकिन ऐसा करके उसने अपनी जान के साथ-साथ, हजारों निर्दोष जानें भी खतरे में डाल दी थीं-
तू क्या समझता है? हारून डर जाएगा!
नहीं डरेगा हारून! पर तू मरेगा बिल्लू! आज ही मरेगा!
क्योंकि हारून ने घातक वार करने जारी रखे थे-
राजनगर का रखवाला, घटनास्थल पर पहुंच गया था! लेकिन फिलहाल वह सिर्फ एक दर्शक का किरदार ही निभा सकता था-
ये तो हारून है। माफिया बॉस! लेकिन अब ये बच नहीं पाएगा! क्योंकि पुलिस हैलीकॉप्टर भी आ चुका है!
राजनगर पुलिस तुमको चेतावनी देती है! हैलीकॉप्टर तुरन्त नीचे उतारो! वर्ना हमको तुम्हें गोली मारकर गिराना पड़ेगा!

तुम आगे चलो!
हम पीछे-पीछे आते हैं!
हे भगवान! हारून पूरी तैयारी के साथ आया है! रॉकेट, ग्रेनेड और मशीनगन से लैस होकर!
इसको उतारना ही होगा!
जान का खतरा मोल लेना होगा! फिलहाल हारून का हैलीकॉप्टर मेरी 'स्टार-लाइन' की रेंज में है! स्टार लाइन अटकाकर हैलीकॉप्टर के अंदर पहुंचने की कोशिश करता हूं!
बॉस, ध्रुव!
ओह! स्टारलाईन हैलीकॉप्टर तक नहीं पहुंच पाई!
तू ध्रुव से निपट! मैं बिल्लू को उड़ाता हूं!
बिल्लू की कार तो एक धमाके के साथ हवा में उड़ गई-
लेकिन ध्रुव को उड़ाना आसान नहीं था-
हैलीकॉप्टर तक पहुंच पाना अब नामुमकिन है। फिर इसको कैसे रोकूं? यस! दोस्तों की मदद लेनी होगी!
चूं चूं चूं चूं चूं!
चूं चूं
जवाब तुरन्त आया-

और जब चिड़िया, ध्रुव के पास से दूर उड़ी तो उसकी चोंच में एक 'एसिड- कैप्सूल' दबा हुआ था-
अच्छा मौका है! बिल्लू को तो दोजख का रास्ता दिखा ही दिया है! अब उसके पीछे ध्रुव को भी भेज देता हूं!
ध्रुव को मारने की धुन में चिड़िया की हरकत पर किसी ने ध्यान नहीं दिया-
फ्यूल टैंक पर गिरी एसिड की उस धार ने एक सुराख कर दिया था-
अरे! फ्यूल की मात्रा कम होती जा रही है! शायद टैंक से फ्यूल लीक कर रहा है!
लीकेज बहुत धीरे हो रही लगती है! और हमारे पास बहुत फ्यूल है! ध्रुव को मारकर ही जाएंगे!
ज़िद छोड़ो, बॉस! और बाहर देखो! फ्यूल की धार नीचे गिर रही है! और ध्रुव उस फ्यूल की धार पर निशाना साध रहा है!
सिग्नल फ्लेयर से!
हैलीकॉप्टर को समुद्र की तरफ ले चलो!
ध्रुव ने चेतावनी दे दी थी! अब समय वार करने का था-

फ्यूल टैंक तक पहुंची-
बड़ाम्म्म
और एक धमाके के साथ हैलीकॉप्टर के चिथड़े उड़ गए-
हारून और उसके आदमी समुद्र में कूद गए हैं! वे जरूर सुरक्षित होंगे! अभी उनकी खोज करता हूं!
लेकिन-
पानी में हैलीकॉप्टर के मलबे के अलावा और कुछ भी नहीं है! यानी हारून और उसके आदमी घायल तक नहीं हुए हैं, और सुरक्षित पानी से बाहर निकल गए हैं! मैं ढूंढूंगा उनको! और सजा दूंगा उनको इस विनाश की!
विनाश, भारी मात्रा में हुआ था-
गैंगवार ने शहर ज
नहीं, यह नहीं हो सकता! प्राचीन जगन्नाथ टेकरी का मंदिर नष्ट नहीं हो सकता! लेकिन यह सच है! सच है! यह काम उन गुंडों का है जो इंसान तो इंसान, भगवान तक की परवाह नहीं करते!
प्रशासन ने सुरक्षा की
मरना होगा इनको! मृत्यु का भोज बनना होगा, सभी माफिया गुंडों को!

और इस कार्य को संपन्न करूंगा मैं! स्वामी भूतभूति! महाकाल के आह्वान का यज्ञ करूंगा मैं! मृत्यु को धरती पर सशरीर बुलाऊंगा इन गुंडों के प्राण हरने के लिए! ताकि सभी अपराधी इस घटना को देखें, और भय से थर-थर कांपकर अपराध करना ही छोड़ दें!
जय महाकाल!
अगले दिन से सारे शहर में इसी यज्ञ की चर्चा थी-
यज्ञ-वज्ञ से कुछ नहीं होता यार! यह सब ढकोसला है! ढोंग है!
महाकाल आह्वान
नहीं, यार! भूतभूति महाराज के चमत्कार मैं अपनी आंखों से देख चुका हूं! वे बुलाएंगे तो मौत को भी सशरीर आना ही पड़ेगा!
ऐसा है तो तमाशा देखने हम भी चलेंगे! जब पूरा शहर तमाशा देखेगा तो मैं ही पीछे क्यों रहूं!
यज्ञ में सचमुच जैसे पूरा शहर उमड़ पड़ा था-
कुछ श्रद्धावश, कुछ चमत्कार देखने के लिए और कुछ तमाशा देखने के लिए-
लेकिन- तीन दिनों से मैं रोज यह तमाशा देख रहा हूं! आज तो यज्ञ खत्म भी हो गया! फिर भी मृत्यु के दर्शन नहीं हुए! मैं कहता था न कि ये ढकोसला है ढकोसला!
नहीं, दोस्त!

मृत्यु आएगी और सशरीर आएगी! पाप के पुजारियों को उठाकर ले जाने के लिए इंतजार करो!
पूरे राजनगर में एक दहशत सी व्याप्त हो रही थी-
अरे, कांपती क्यों जा रही हो, भागवान? मौत तो रोज सैकड़ों को धरती से उठाकर ले जाने के लिए आती है! अब आएगी तो क्या हो जाएगा?
मजाक मत उड़ाइए, कहे देती हूं! ये मौत सशरीर आ रही है! असमय आ रही है!
अगर स्वामी भूतभूति मृत्यु को संभाल न पाए तो हम सब मारे जाएंगे!
आश्चर्यचकित तो ध्रुव भी था-
कमाल है! इतनी सुनसान सड़कें तो मैंने पहले कभी नहीं देखीं! हर आदमी इस डर से अंधेरा होते ही घर के अंदर घुस जाता है कि कहीं सच-मुच मृत्यु नजर न आ जाए!
अपराधी तक घर के अंदर ही रह रहे हैं! ये कमाल हो गया! खैर अच्छा ही है! मैं पुलिस हैड-क्वार्टर दो मिनट पहले ही पहुंच जाऊंगा!
हर आपदा, न्यूज चैनेल वालों के लिए लॉटरी का टिकट साबित होती है-
यह आपदा भी ऐसी ही थी-
हर न्यूज चैनेल इसका विश्लेषण करने में जुटा हुआ था-
भारती न्यूज चैनेल में आपका स्वागत है मिस्टर वाका! आप एक मनोवैज्ञानिक हैं! आपकी क्या राय है इस अफवाह के बारे में कि मौत सशरीर धरती पर आएगी?
आपको ध्यान होगा मिस निशा कि कुछ समय पहले दिल्ली में ऐसे ही एक काले बंदर का आतंक फैला हुआ था!

उसे कुछ लोगों ने आंखों से भी देखने का दावा किया था! हुलिया भी बताया था! लेकिन आज तक इसकी सत्यता की पुष्टि नहीं हो सकी है! सच तो यह है कि वह लोगों का वहम था! एक 'मास-हिस्टीरिया' था!
ऐसे ही स्वामी भूतभूति के यज्ञ के कारण पैदा हुआ डर लोगों को 'मृत्यु' के दर्शन जरूर करायेगा! कई लोग मृत्यु को देखने का दावा करेंगे! लेकिन यह एक वहम के अलावा कुछ भी नहीं होगा!
कुछ भी नहीं! क्योंकि मृत्यु एक प्रक्रिया है, कोई नजर आने वाला प्राणी नहीं! स्वामी भूतभूति दुनिया को मूर्ख बना रहे हैं!
स्वामी जी का मजाक उड़ा रहा है! इसका फल इसको भुगतना होगा! अभी ये स्वामी जी की चमत्कारी शक्तियों को जानता नहीं है!
वो तो ठीक है, मम्मी! लेकिन तुमने टी. वी. बंद क्यों कर दिया? कम से कम डाक्टर जी के विचार तो सुनने दो!
कोई जरूरत नहीं है श्वेता, ऐसे नास्तिकों के विचारों को सुनने की! वैसे भी इसको जल्दी ही माफी मांगनी पड़ेगी! ...
... क्योंकि स्वामी जी ने बुलाया है तो मृत्यु को सशरीर आना ही पड़ेगा!
अगर मैंने मम्मी से बहस की तो मेरी मौत जरूर आ जाएगी! फिलहाल चुप रहना ही बेहतर है!
क्योंकि ये विश्वास का मामला है!
ध्रुव को फिलहाल 'मृत्यु' की नहीं, मृत्यु फैलाने वालों की तलाश थी-
हारून का अड्डा हम लाख कोशिशों के बाद भी ढूंढ नहीं पाए हैं!
हां, समुद्र में डूबे हैलीकॉप्टर का मलबा हमने जरूर निकाल लिया था! उसमें से भी कुछ नहीं मिला!
सिवाय कुछ मामूली चीजों के!

इनमें ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे उसके ठिकाने का अता-पता चल सके!
ये चाबी! ये जरूर उसके घर की चाबी होगी!
जरूर होगी! मैं भी मानता हूं! लेकिन ताले की चाबी तो बनवाई जा सकती है, पर चाबी से ताला कैसे ढूंढा जा सकता है?
ये 'की रिंग' चांदी की है! लेकिन काली पड़ गई है!
चांदी जैसे-जैसे पुरानी होती है, उसकी सतह काली होती जाती है, ध्रुव!
लेकिन ये 'की रिंग' लेटेस्ट डिजाइन का है! ये समुद्री हवा के रिएक्शन से काली पड़ गई है!
और ऐसा राजनगर के सिर्फ माड एरिया में होता है! हारून का घर वहीं पर होगा!
माड, राजनगर का दूसरा सबसे बड़ा इलाका है, ध्रुव! वहां के हजारों मकानों में से भला हारून का मकान कैसे मिलेगा?
मैं उस एरिया के कुत्तों और चिड़ियों को इसी काम पर लगाने जा रहा हूं! साथ ही साथ मैं भी उस इलाके में गश्त करूंगा! ऐसे एक दिन के अंदर हारून का पता चल जाएगा!
उस रात कई प्राणी हारून को ढूंढ रहे थे-
लेकिन हारून की तलाश इनके अलावा किसी और को भी थी-

जो शायद प्राणी ही नहीं था-
वै... वै... वै... कुऊं555
छोड़ दे हमारा रास्ता!
खबर, उसी एरिया में गश्त लगा रहे ध्रुव तक पहुंचने में देर नहीं लगी-
क्या? अजीब सा डरावना प्राणी! चलो मैं देखता हूं!
जल्दी ही ध्रुव, उस प्राणी तक जा पहुंचा-
रुको! कौन हो तुम? और यहां पर क्या कर रहे हो?
तेरी तो उम्र अभी बाकी है, बच्चे!
फिर तू मृत्यु का रास्ता क्यों रोकना चाहता है?
मृत्यु! मेकअप करने से कोई मृत्यु नहीं बन जाता। तुरन्त वापस जाओ, वर्ना मैं तुमको आतंक फैलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लूंगा!
मैं बहादुरी से बोल तो रहा हूं, लेकिन न जाने क्यों, मेरा दिल एक अंजाने डर से धड़क भी रहा है!

मौत तो तुमको होना ही! सच पूछो तो मैं आज भी नहीं चाहता था! पर यह शक्ति ने मुझे विवश कर दिया है! मेरा समय व्यर्थ मत करो! मुझे शीघ्रातिशीघ्र कार्य समाप्त करके मृत्युलोक वापस जाना है!
मृत्युलोक नहीं जेल जाओगे तुम!
'जेल' क्या होता है? खैर, तुम्हें अब समझाना ही पड़ेगा!...
...कि मौत किसी के रोके नहीं रुकती!
इसने तो तीव्र ऊर्जा का वार करके मेरी मोटरसाइकल के टुकड़े-टुकड़े कर दिए!
शुक्र मना कि यह वाहन था, तेरा शरीर नहीं!
अब मैं चला दुष्ट हारून के प्राण हरने!
तुम्हारा जाना तो मैं अभी बंद करा देता हूं! तुम्हें मैं नहीं, तेरा घोड़ा ही मारेगा! हिनननन!

ध्रुव ने घोड़े को आदेश तो मृत्यु को गिराने का दिया था-
लेकिन गिरने वाला 'मृत्यु' नहीं, ध्रुव था-
आऽऽऽह! यह क्या? घोड़े तो मेरी बात समझ भी जाते हैं और मान भी जाते हैं!
लेकिन इस घोड़े पर उल्टा असर कैसे हो गया?
तू अभी भी सच्चाई को नहीं मान रहा है!...
ये घोड़ा नहीं है, खुरखोरा है! घोड़े जैसा दिखने वाला इकलौता विचित्र प्राणी! 'मृत्यु' का वाहन है ये! लेकिन तुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है! इसलिए तुझे विश्वास दिलाने वाला दृश्य दिखाता हूं!
ओह! यह क्या? चारों तरफ से धुंधली आकृतियां मुझे घेर रही हैं! मुझ पर हमला कर रही हैं!
मृत्यु के मस्तक पर लगा अनोखा सितारा अलग-अलग रंगों में चमकने लगा-
मृत्यु की गुलाम हैं ये आत्माएं! अब तेरे शरीर में दौड़ता दर्द तुझे मेरी सच्चाई का एहसास करा देगा!

मैं तो ऐसे कई इंसानों को जानता हूं जो 'ट्रिक' के द्वारा ऐसे भूत-प्रेतों के... आऽऽऽह... दर्शन करवा सकते हैं! इससे यह साबित नहीं होता कि तुम सचमुच 'मृत्यु' हो!
ट्रिक का अर्थ शायद भ्रमजाल होता होगा! भ्रमजाल सिर्फ भ्रम पैदा करते हैं लड़के, दर्द का एहसास पैदा नहीं करते!... जी तो चाहता है कि तेरे प्राण निकाल लूं... और मैं ऐसा कर भी सकता हूं!
क्योंकि मेरे पास यह अधिकार है कि अगर कोई प्राणी मेरे काम में रुकावट डालने की कोशिश करे तो मैं उसके प्राण हर सकता हूं! फिर चाहे उसके भाग्य में उस समय की मौत लिखी हो या न लिखी हो!
अब मैं उस अधिकार का प्रयोग करके तेरे प्राण हरूंगा!
आऽऽऽह! कुछ समझ में नहीं आ रहा है! अगर यह सचमुच भ्रमजाल है तो मुझे दर्द क्यों हो रहा है! दिल बुरी तरह से धड़क रहा है! शरीर से सारी शक्ति खत्म होती लग रही है!
चाहे ये सच में मृत्यु हो, लेकिन मुझे मुकाबला तो करना ही है!... सबसे पहले अपने शरीर में फैलते दर्द का सम्पर्क अपने दिमाग से काटना होगा...
...और इसके लिए मैं इस्तेमाल करूंगा अभी हाल में सीखी चाइनीज विद्या का!

एक्यूपंचर का!
ध्रुव की बेल्ट से निकली पतली सुईयां, उसके शरीर के खास भागों में धंसने लगीं! और-
दर्द का एहसास खत्म हो रहा है! 'एक्यूपंचर थैरेपी' अपना काम कर रही है!... अब परेशान करने वाली दूसरी चीज का भी इंतजाम करना पड़ेगा!...
...आंखों का! ओ मुझे इन आकृतियों को दिखा रही हैं!
अब मुझे न 'आत्माएं' नजर आएंगी, और न ही इनके वारों का दर्द महसूस होगा!
अब मुझे मृत्यु को इन 'आत्माओं' को वापस बुलाने के लिए मजबूर करना होगा!
चूं चूं
चूं चूं
चिड़िया द्वारा दिशा ज्ञान कराते ही-
और इससे पहले कि मृत्यु को ध्रुव के इरादे का आभास हो पाता, ध्रुव के हाथ, उसके मस्तक के सितारे की तरफ बढ़ चले थे-
आत्माओं का संबंध इसी 'तारे' से है! क्योंकि इसके चमकने के साथ ही मुझे आत्माएं दिखने लगी थीं...
ध्रुव का शरीर, 'मृत्यु' की तरफ लपक पड़ा-

ओ! बड़ी तेज दृष्टि है तेरी! तू आत्माओं को कैद करने वाले तारे का संपर्क मुझसे तोड़कर आत्माओं से बचना चाहता है! लेकिन मृत्यु तारे को मुझसे अलग करना तो दूर...
...कोई प्राणी इसका स्पर्श तक नहीं कर सकता!
स्पर्श करते ही ध्रुव को जो झटका लगा-
भयंकर झटका था वह-
ध्रुव का सारा शरीर कांपकर रह गया-
तुझसे खेलने में मजा तो आ रहा था बच्चे, क्योंकि मृत्यु को चुनौती देने वाले रोज-रोज तो मिलते नहीं हैं! पर मुझे अपना कार्य पूरा करने में विलंब नहीं करना है! लेकिन अगर तू मौत से नहीं खेल सकता...
...तो मृत्यु के परकाले से खेल!
अपनी मृत्यु तक!
हे भगवान! ये प्राणी तो...

...सीधे नर्क से उतरा हुआ लग रहा है!
बिलकुल ठीक समझा है तूने प्राणी!
मैं नर्क से ही आ रहा हूं! बस मुझको यह नहीं समझ में आ रहा है कि एक मामूली इंसान के प्राण निकालने के लिए मृत्यु ने उधेड़ी को क्यों बुलाया है! खैर मुझे क्या? जो नर्क में करता हूं, यहां पर भी करूंगा! तेरी खाल उधेड़ूंगा!
ओफ! बगैर इस उधेड़ी से निपटे मैं आगे नहीं जा सकता! और 'मृत्यु' भाग रहा है! ये शर्तिया हारून की जान लेने के लिए ही जा रहा है! मुझे मृत्यु को रोककर मृत्यु के सशरीर आने की अफवाह को गलत सिद्ध करना ही होगा!

अजीब मानव है तू! सामने खड़े साक्षात मौत के परकाले को देखकर भी भागने की कोशिश नहीं कर रहा है!... बल्कि मुकाबला करने की सोच रहा है!... आश्चर्य!
मैं भागने की सोच तो रहा हूं उधेड़ी! पर तुम्हारे मालिक 'मृत्यु' के पीछे! और यह काम तुमसे मुकाबला करने के बाद ही किया जा सकता है!...
असंभव! उधेड़ी तुझे एक ही शर्त पर जाने दे सकता है! तू अपनी खाल मुझे दे दे! फिर जा सकता है तो जा!
थकाना होगा इसको! फिर इस पर काबू पाना आसान होगा! आऽऽऽह! यह क्या? इसके शरीर से बहते पसीने में एक बेहोश करने वाली गंध निकल रही है!...
इसके हाथ लग गया तो यह सचमुच मेरी खाल उधेड़ डालेगा! इससे बचते रहना होगा!
... मेरा शरीर शिथिल हुआ जा रहा है!

अब देख कि उधेड़ी कैसे उधेड़ता है मेरी खाल को!
ये पहला कदम है, मानव! खाल में चीरा लगाना! ...
... उसके बाद खाल को इस हाथ से फाड़कर अलग किया जाता है! डर मत! मुझको बहुत अनुभव है, अब तक मैं अनगिनत खालें उधेड़ चुका हूं! ... एक पल भी नहीं लगेगा तेरी खाल को शरीर से अलग होने में!
आऽऽऽह!
इसके हाथ पर तो गैंडे के सींग के आकार के पैने सींग उभर आए हैं! और इनके वार मेरी खाल को फाड़ सकते हैं!
आऽऽऽह!
इसको थकाने के चक्कर में मुसीबत मोल ले ली मैंने!
अब ये गंध मुझे न तो शक्ति बटोरने का मौका दे रही है, और न ही कुछ सोचने का! गंध रोकने के लिए इसके बहते पसीने को रोकना होगा!
नहलाना होगा इस बदबूदार को!
आऽऽऽह! ओऽऽऽह!

ओह! मुझे घिन है पानी से! और तूने मुझे पानी में भिगोया है! अब मैं तेरी खाल को एक पल में नहीं, आराम से उतारूंगा! खुरच-खुरचकर! और तेरी चीखों से अपने शरीर को गर्म करूंगा!
आऽऽऽह! ये तो और खूंखार हो गया है! लेकिन अब इसके पसीने की महक खत्म हो गई है!
यानी मैं अब खुले दिमाग से सोच सकता हूं! और इस 'नर्क के प्राणी' उधेड़ी से निपटने की योजना बना सकता हूं!... लेकिन योजना बनाने से पहले मुझे यह तय करना पड़ेगा कि मैं इसको सचमुच नर्क का प्राणी मानूं या नहीं! क्योंकि योजना उसी के अनुसार बनानी होगी!
और अगर यह अंधेरे नर्क का प्राणी है तो तेज रोशनी से इसकी आंखें जरूर चौंधियाकर अंधी हो जाएंगी! और मुझको वार करने का मौका मिल जाएगा!
और यह काम करेंगे मेरे सिग्नल फ्लेयर!
मेरे वार इसके लिए मच्छर के डंक जैसे हैं! तगड़ी पॉवर वाला वार करना होगा!
दिल तो नहीं मानता, लेकिन दिमाग कह रहा है कि मैं इसको नर्क का प्राणी मानकर ही चलूं!

स्टार-लैंप ने उधेड़ी के सिर के ऊपर लटक रहे, उस 'विज्ञापन बॉक्स' के सहारों को काट डाला-
कट
कटाक
और विज्ञापन बॉक्स को चमका रही बिजली की चमक ने उधेड़ी के शरीर को भी जगमगा दिया-
कि ई ई ई ई ई ई ई ई
उम्मीद है इससे तुमको अपने घर नर्क की याद आ गई होगी!
अब मैं तुमको यहां का लोकल नर्क दिखाऊंगा। जेल का नर्क।
लेकिन-
धड़ाक
आऽऽऽह!
बिजली ने इसको कोई खास नुकसान नहीं पहुंचाया!

उधेड़ी जैसे झटके रोज झेलता है! ये झटके तो मुझे और ताजगी देते हैं!
धक्राक
आऽऽऽह! इतना तगड़ा वार भी बेकार हो गया! और कोई तरीका सूझ भी नहीं रहा है!
और ये और वहशी हो गया है!
ध्रुव के शरीर पर तेजी से घाव लगते जा रहे थे-
तड़ाक
ओह! इसके शरीर से पसीना बहना फिर शुरू हो गया है! नसें फूल गई हैं इसकी! और मेरा दिमाग फिर से अंधेरे में डूबना शुरू हो गया है! सारी एक्यूपंचर सूईयां सड़क पर इधर-उधर गिर गई हैं! उनको ढूंढ पाना अब असंभव है! वर्ना कम से कम मैं घावों के दर्द को तो खत्म कर सकता था... अब...
...ओहो!
ध्रुव के दिमाग में कोई आइडिया कौंध गया था-

काम बन सकता है! बस, उसके लिए मुझको अपने शरीर में बढ़ रही कमजोरी को नजरअंदाज करना होगा, और मोटरसाइकल का हायनमो तोड़कर उसके अंदर लगा चुंबक निकालना होगा!
कड़क
चुंबक निकालना तो आसान था, लेकिन... आह... कमजोरी को नजरअंदाज करना मुश्किल लग रहा है!
धक
राक
ध्रुव का शरीर, कभी मार खाता हुआ-
और कभी वारों से बचता हुआ, पूरे इलाके में घूम रहा था-
POL
और सड़क पर बिखरी एक्यूपंक्चर सुईयां, चुंबक से चिपकती जा रही थीं-
आह! लगभग सारी सुईयां मुझे मिल चुकी हैं! अब योजना के दूसरे हिस्से पर अमल करना होगा!

ओह! ये सुईयां! मैंने देखा था कि कैसे तूने इनका प्रयोग करके अपने दर्द को दबाया था! लेकिन मैं तुझको इतना अधिक दर्द दूंगा कि तू उसको दबा नहीं पाएगा!
घड़ाक
घचप
इन सुईयों का इस्तेमाल मैं अपना दर्द दबाने के लिए करूंगा भी नहीं!
इसने अपनी नसें दिखाकर मेरा काम आसान कर दिया है! अब मैं एक्यूपंक्चर विद्या की उस विधा को आजमाऊंगा, जिसके जरिए अंगों को सुन्न किया जाता है!
वास्तव में एक्यूपंक्चर का आविष्कार हुआ ही था युद्ध के घायल सैनिकों के ऑपरेशन के वक्त उनके अंगों को सुन्न करने के लिए! क्योंकि हर वक्त एनेस्थेसिया उपलब्ध नहीं रहता था!
ओह! लहूलुहान होने से कमजोरी तेरे दिमाग पर चढ़ गई है! इसलिए तू उधेड़ी का मुकाबला इन सुईयों को चुभोकर करना चाहता है!
अरे, पत्थर मारने से जहाज नहीं टूटा करते! चुभा, और सुईयां चुभा! हर सुई के बदले दो घाव लगाऊंगा तुझे!
यही तरीका मैं
इसके शरीर में खास स्थानों
दर्द और कमजोरी इंसानी बर्दाश्त की हद से बाहर होते जा रहे थे-

लेकिन ध्रुव को तो मौत के परकाले उधेड़ी से लड़ना था-
पर अब उसके होश उसका साथ छोड़ रहे थे-
धड़ाक
मे... मेरा शरीर सुन्न क्यों पड़ता जा रहा है! मैं न हाथ हिला पा रहा हूं और न ही पैर चला पा रहा हूं!
घप्प
अभी तुम्हारी आवाज भी बंद होने वाली है!
क्योंकि ये आखिरी सुई तुम्हारे 'स्वर-तंतुओं' का संपर्क तुम्हारे दिमाग से काट देने वाली है!
लेकिन साथ ही साथ उसकी मेहनत रंग भी ला रही थी-
य... यह क्या हो रहा है?
और फिर मैं तुम्हारे दिमाग का संपर्क होश की दुनिया से काट दूंगा!
कड़ाक
चीख भी नहीं पाया उधेड़ी-

और बेहोश होकर जमीन पर आ गिरा-
सीखी हुई कोई भी विद्या कभी बेकार नहीं जाती! अब पुलिस को फोन करके इसको हॉस्पीटल भेजने का इंतजाम किया जाए!... ताकि जांच से इसकी सच्चाई का पता चल सके! अरे! यह क्या है?
आकार तो कागज का सा है, लेकिन ये मुझे खाल से बना लग रहा है! और... और इस पर हारून शाह का नाम लिखा हुआ है!
ये जरूर 'मृत्यु' के पास से गिरा होगा! क्योंकि उधेड़ी तो यहां पर खाली हाथ आया था! उसके शरीर पर कोई चीज छुपाने लायक जगह ही नहीं थी!... क्या मतलब है इस कागज का?
खैर, बाद में सोचूंगा! पहले तो इस मुसीबत को होश में आने से पहले पुलिस के हवाले किया जाए!
स्टार ट्रांसमीटर से पुलिस को बुलाता हूं!
लेकिन स्टार-ट्रांसमीटर का प्रयोग कर पाने से पहले ही-
अरे! पुलिस की गाड़ियां! बुलाने से पहले ही आ गईं! रोको! रोको!
वाऊ वाऊ वाऊ वाऊ वाऊ वाऊ
POLICE
POLICE
ध्रुव! तुम यहां पर क्या कर रहे हो?
इस मुसीबत को आप लोगों के हवाले करना है! पर आप लोग कहां जा रहे हैं?
इस एरिया की कोठी नंबर 13 से भीषण गोलाबारी की खबरें आई हैं! यह भी रिपोर्ट है कि हारून शाह उसी कोठी में है! हम वहीं जा रहे हैं!
ओह! एक काम करिए! आप इसको अस्पताल पहुंचाइए! उस कोठी की छानबीन मैं कर लेता हूं!
ओ. के. ध्रुव!

कुछ ही देर बाद
यही होगी हारून शाह की कोठी! यहीं पर पुलिस जमा है!
क्या हुआ है यहां पर इंस्पेक्टर साहब?
ओ, ध्रुव! कुछ पता नहीं चल रहा है! हारून शाह के सारे आदमी, दहशत से जड़ हो गए हैं!
बस बार-बार एक ही बात दोहराए जा रहे हैं कि मृत्यु ले गई हारून को!
दीवारों पर बने अंधाधुंध फायरिंग के निशान भी इनकी दहशत की पुष्टि करते हैं!
और हारून शाह? वह कहां है?
आओ मेरे साथ!
देखो, यह है हारून शाह! आत्मा निकल चुकी है इसकी!
ओह! अगर मैं मृत्यु को रोक लेता तो ये हादसा न होता!
मृत्यु को रोक लेता! यानी तुमने मृत्यु को देखा है! सच में?
हां, इंस्पेक्टर! देखा है मृत्यु को मैंने!
यानी मृत्यु आ गई! सचमुच... सशरीर आ गई!
इस अफवाह को झुठलाने के लिए हमारे पास दो सबूत हैं! एक तो मृत्यु के आदमी उधेड़ी की जांच! और दूसरा हारून का पोस्टमार्टम! अगर मृत्यु ने इसे मारा है तो इसकी मौत प्राकृतिक सिद्ध होनी चाहिए! पर ऐसा होगा नहीं!

पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने में देर नहीं लगी-
पोस्टमार्टम रूम
POSTMORTEM ROOM
अस्पताल में-
हमने हारून शाह की बॉडी का कोना-कोना छान मारा है ध्रुव! लेकिन उसकी मौत प्राकृतिक तरीके से हुई है! हार्ट अटैक से! उस पर किसी ने कोई वार नहीं किया है!
हो सकता है कि हारून, मृत्यु का भयंकर रूप देखकर डर गया हो और उसको दिल का दौरा पड़ गया हो! लेकिन अभी हमारे पास एक और सुबूत है। उधेड़ी! उसकी जांच कीजिए डॉक्टर!
डॉक्टर साहब! डॉक्टर साहब! ज-- जल्दी इधर आइए! वह... उधेड़ी... उधेड़ी...
क्या हुआ उधेड़ी को?
अ... आप जल्दी आइए!
जल्दी ही-
ये... ये देखिए!
ओ गॉड! ये... ये तो पूरा गल गया!
ये कैसे हो गया? अभी एक घंटा पहले ही तो मैं इसको सही-सलामत देखकर गया था!
यानी हमारे हाथ से दूसरा सुबूत भी निकल गया!
नहीं ध्रुव! हमने इसकी कोशिका और डी.एन.ए. की जांच की है! ऐसा डी.एन.ए. तो मैंने पहले कभी देखा ही नहीं है! मैं अपना कैरियर दांव पर लगाकर यह कह सकता हूं कि उधेड़ी पृथ्वी का प्राणी नहीं था!
आप जो कुछ भी कह रहे हैं, उससे तो एक ही बात सिद्ध होती है कि स्वामी भूतभूति के यज्ञ के कारण मृत्यु को सचमुच सशरीर पृथ्वी पर आना पड़ा है!
सुबूत भी यही कहते हैं ध्रुव...
...और अफवाहें भी!

अफवाहें, एकाएक सच साबित हो गई थीं-
मृत्यु धरती प
सीमा पार से गोलीबारी जारी
अखबार वाले मेरे, नाम का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। ...
...इससे तो लोगों में और डर फैल जाएगा! क्योंकि और किसी के कहने पर लोग विश्वास करें या न करें, मेरे कहने पर तो वे आंख मूंदकर यकीन कर लेंगे!
तो इसमें गलत क्या लिखा है, ध्रुव! स्वामी जी ने बुलाया और मृत्यु पाप दूर करने आई! यही हुआ है, और यही तुमने कहा है!
यही हुआ है, मम्मी! लेकिन अभी मृत्यु की सच्चाई को सामने आना बाकी है!
वह भी आ ही जाएगी! क्योंकि मृत्यु तो अभी और पापियों की जान लेगी!
एक मिनट! मेरे पास एक चीज है, जिससे इस झूठ का पर्दाफाश किया जा सकता है!
वह कागजरूपी खाल का रोल! उसकी जांच से कुछ पता चल सकता है! यह रहा...
इस पर हालन के नाम के अलावा और कुछ भी नहीं...
...ओ माई गॉड!
इस पर एक और नाम अपने आप उभर आया है! माफिया बॉस लूंटी का! ... यानी अब उसकी बारी है! मुझे लूंटी का ठिकाना नहीं पता, लेकिन सारी चिड़ियों को मैं 'मृत्यु' को ढूंढने में लगा देता हूं!
'मृत्यु' वहीं जाएगी, जहां पर लूंटी होगा!

वैसे अगर यह सब एक षड्यंत्र है तो यह सिर्फ एक आदमी का काम हो सकता है! मुझे उस पर नजर रखनी होगी!
वैसे भी मुझे आज कोई खास काम नहीं है! 'मृत्यु' के डर से कोई अपराधी अपने घर से बाहर कदम ही नहीं रख रहा है!
ध्रुव का ख्याल जरा सा गलत था! कुछ अपराधी अपने घर से बाहर थे-
स्वामी भूतभूनि के आश्रम में-
धड़ाक
बुला उस कमीने भूतभूनि को, जिसने हमको मारने के लिए 'मृत्यु' को बुलाया है! आज उसे मौत के हवाले हम करेंगे! अरे स्वामी!
स्वामी जी!
कौन हो तुम लोग? क्या चाहते हो?
'मृत्यु' को वापस भेज दे स्वामी! वर्ना उसके पास जाने को तैयार हो जा!
कभी नहीं! मृत्यु को हमने वापस भेजने के लिए नहीं बुलाया है! वह अपने-आप वापस आएगा! तुम जैसे पाप के पुजारियों को नर्क पहुंचाने के बाद!
तेरी मौत के साथ तेरे यज्ञ का असर भी खत्म हो जाएगा स्वामी! तैयार हो जा मरने को!

लेकिन-
नहीं! यहां कोई खून-खराबा नहीं होगा!
तड़ाक
कड़ाक
कौन?
ध्रुव! ये... ये यहां कैसे?
आह!
बिजली की तेजी से घूम गया ध्रुव का शरीर-
और गुंडों के बदन कटे पेड़ों की तरह गिरते चले गए-
तुम यहां पर क्या कर रहे थे, ध्रुव?
'मृत्यु' को रोकने आया था
मुझे शक है कि आप या तो
खुद या किसी और को 'मृत्यु
बना कर माफिया बॉसों को मार
रहे हैं! लेकिन इससे आम जन
में भी दहशत फैल रही है!
सबसे बुरी बात तो यह है कि वे
इन सबमें यकीन कर रहे हैं।

जो सच है उस पर यकीन करना बुरी बात कब से होने लगी, ध्रुव! जिन पापियों का विनाश तुम नहीं कर पाए उनका विनाश अगर मेरे द्वारा बुलाई गई 'मृत्यु' कर रही है तो तुम ईर्ष्या क्यों कर रहे हो? मुझ पर ही 'मृत्यु' होने का इल्जाम लगा रहे हो?
तुम सत्य का साथ अवश्य देते हो, परन्तु ध्यान रखना! अगर तुमने मृत्यु को रोकने की कोशिश की तो मृत्यु तुमको भी नहीं छोड़ेगी!
यह सारे सवाल समाचार पत्र वालों ने भी पूछे हैं और मैं भी पूछ रहा हूं! है तुम्हारे पास इनका कोई उत्तर?
चीं
चीं
ओ ओ! यह चिड़िया कुछ सूचना लेकर आई है!
यह सब झूठ है! ढोंग है! मृत्यु सशरीर कभी आ ही नहीं सकती! कभी नहीं!
तो फिर क्यों हार गए तुम मृत्यु से? कहां से आया था वह प्राणी उधेड़ी? और हारून स्वाभाविक मौत कैसे मर गया?
कुछ समझ में नहीं आ रहा है! अगर सचमुच 'मृत्यु' राजनगर में घूम रही है तो मैं उसको रोकूंगा कैसे?
और रोकूं भी क्यों? काम तो वह अच्छा ही कर रहा है! नहीं!
अरे! 'मृत्यु' को इस वक्त यहां से दूर घोरपाड़ा में देखा गया है! यानी स्वामी भूतभूति 'मृत्यु' नहीं है!
नहीं मेरा कोई आदमी 'मृत्यु' है! 'मृत्यु' सत्य है! वास्तविक है ध्रुव!
'मृत्यु' जो कुछ भी कर रहा है वह हमारे कानून के विरुद्ध है! उसको मुझे रोकना ही पड़ेगा!

'मृत्यु' पर विश्वास और संदेह करने वालों की बहस जारी थी-
अभी-अभी समाचार मिला है कि कुछ अपराधियों ने स्वामी भूतभूति के आश्रम पर हमला किया है! पर ध्रुव ने हमलों को नाकाम कर दिया! सभी हमलावर पकड़ लिए गए हैं!
अब हम आपको 'मृत्यु' के बारे में मनोवैज्ञानिक डॉक्टर ठाका के विचार सुनाते हैं! यह बातचीत कुछ समय पहले रिकॉर्ड की गई थी!
डॉक्टर ठाका! अब तो 'मृत्यु' को सचमुच देखा गया है! और देखने वाला भी ध्रुव जैसा व्यक्ति है! जिसकी बात पर अविश्वास करना मुश्किल है! आपका इस पर क्या कहना है?
मैं अब भी यही कह हूं कि यह भ्रमजाल ध्रुव जैसे इंसान को भी धोखा हो सक 'मृत्यु' का दिखना 'मास हिस्टीरिया' के अलावा कुछ भी नहीं है!
अगर यह भ्रमजाल है डॉक्टर ठाका...
...तो हारून की रहस्यमय मृत्यु कैसे हुई? उसके आदमी भय से जड़ कैसे हो गए थे? और उधेड़ी कौन था? ऐसे प्राणी पृथ्वी पर तो मिलते नहीं! उसका गला भी एक रहस्य बन गया है! इन सवालों के आप क्या जवाब देंगे?
फिलहाल तो जवाब देना मुश्किल है! हां... हो सकता है कि इसमें कुछ... सच्चाई भी हो!
देखा!
डॉक्टर ठाका भी 'मृत्यु' पर विश्वास करने लगे थे-
और ध्रुव को भी जल्दी ही विश्वास होने वाला
ओ! वह रहा मृत्यु! लेकिन ये तो तेजी से भाग रहा है! जैसे अपना काम कर चुका हो!
अभी पता करता हूं!
रुक जाओ!
ओ! तू फिर आ गया! लेकिन जलदेश से आया! लुंटी के प्राण मैं हर चुका हूं! परन्तु यहां कैसे आया? शायद मेरा अधिकार प जो गिर गया था वह तुझे मिल गया!

परन्तु अब मुझे उस 'अधिकार-पत्र' की आवश्यकता है भी नहीं! दो महापापियों की आत्माएं मैं निकाल चुका हूं! बाकी पापी अपने आप घबराकर पाप का रास्ता छोड़ देंगे! अब मैं वापस जाने के लिए स्वतंत्र हूं! छोड़ मेरा रास्ता!
तड़ाक
ओऽऽऽह! फिर से दिल बुरी तरह घबरा रहा है! लेकिन मुझे मृत्यु को रोकना ही होगा! रोकना ही होगा!
स्टार लाइन ने खुरखोरा को गिरने पर मजबूर कर दिया-
तूने... तूने धरती से मेरा स्पर्श करा दिया! महापाप किया है तूने! अब मृत्यु तेरे प्राण हरेगा! नहीं बचेगा तू! तुझे यहां भी तड़पा-तड़पाकर मारूंगा और नर्क में भी तेरी आत्मा को सताऊंगा!
आऽऽऽह!
एक बार फिर चमक उठा मृत्यु के मस्तक पर चिपका तारा-
रोशनी की चमक से आंखें भारी हो रही हैं! सर घूम रहा है!

अब निपट मेरी गुलाम प्रेतात्माओं से!
ओह! वही पुरानी चाल! लेकिन ऐसों से मैं पहले भी निपट चुका हूं, और फिर निपट लूंगा!
नहीं निपट पाएगा! पिछली बार मैंने तुझको कम आंककर भूल की थी! इस बार मैंने अपना वार बदल दिया है! इन गुलाम प्रेतात्माओं के साथ इस बार असली प्राणी भी हैं! और इस बार ये अकेला प्राणी नहीं है, जिससे तू निपट सके। दर्जनों हैं ये नर्क के प्राणी! जो तेरे शरीर से चिपककर तुझे नोंच डालेंगे! भंभोड़ डालेंगे!
ओफ्! अपने लिए मदद बुलानी होगी!
भौं भौं भौं! वाऊ sss वाऊ!

ध्रुव की पुकार पर गलियों में घूम रहे कुत्ते दौड़ते चले आए-
लेकिन उनका आना या न आना बराबर था-
क्योंकि वे उन प्राणियों के सामने पलभर भी टिकने की क्षमता नहीं रखते थे-
ओह! कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है! और ये प्राणी मुझको नोचते जा रहे हैं! फिलहाल इनसे पीछा छुड़ाने के लिए यहां से भागना पड़ेगा!
भागता कहां है? 'मृत्यु' से बचकर आज तक कोई भाग नहीं पाया!
ले! तुझको मैं नर्क की आग के घेरे में कैद कर देता हूं! इसको तू तो क्या, ये नर्क के छोटे शैतान भी पार नहीं कर सकते! अब ये इसी 'अग्निवृत्त' के अंदर तुझको नोच डालेंगे! फाड़ डालेंगे!
अब मुझे गुलाम आत्माओं को यहां पर छोड़ने की जरूरत नहीं है! साथ ले जाता हूं मैं इनको!

ओह! 'मृत्यु' एक बार फिर से मुझे मौत के जाल में फंसाकर चला गया! इस बार भी मैं उसके पीछे नहीं जा सकता! लेकिन इस बार वह मेरी मौत का पक्का इंतजाम कर गया है! ये प्राणी आग में जलते तो हैं, लेकिन इनको आग में डालना बहुत मुश्किल काम है... अब सचमुच मेरा बचना मुश्किल है! आस-पास स्टार लाइन अटकाने तक की जगह नजर नहीं आ रही है!
तभी-
अरे वाह! इधर तो मैंने ध्यान ही नहीं दिया था! आग के घेरे के बीचोबीच एक मेनहोल बना है! इस रास्ते से मैं बाहर निकल सकता हूं!
भगवान भला करे उसका जिसने मेनहोल का आविष्कार किया... ओ!
ध्रुव को बीच में ही रोक लिया गया-
और-
ओsss मेनहोल का ढक्कन फिर से बंद करके और चारों तरफ की तारकोल पिघलाकर उसको सील कर दिया है इन्होंने!
अब जाऊं तो कहां जाऊं?
ध्रुव के शरीर में लगने वाले घावों और बहने वाले खून की मात्रा बढ़ती जा रही थी-

और साथ ही साथ, कमज़ोरी भी उस पर हावी हो रही थी-
आऽऽऽह! अब तो भागने या लड़ने की ताकत भी नहीं बची है! अब या तो ये मुझे नोच डालेंगे या फिर मैं आग के घेरे को पार करते हुए जल मरूंगा!
ओ! यस! ऐसा हो सकता है!
ध्रुव ने प्रतिरोध करना बंद कर दिया, और सारे प्राणी उसके शरीर को नोंचने के लिए उससे चिपकते चले गए-
थोड़ी ही देर में ध्रुव का शरीर नर्क के प्राणियों के नीचे ढककर दिखना बंद हो चुका था-
इस बोझ के साथ तो हिल पाना भी मुश्किल था-
लेकिन नर्क के प्राणियों का मुकाबला ध्रुव से था-
अदम्य इच्छा-शक्ति से भरपूर एक इंसान से-
अपनी बची-खुची सारी ताकत बटोरकर ध्रुव उठ खड़ा हुआ-
और आग की दीवार के अंदर पहुंचकर उसके कदम रुक गए-
अब ये आग मेरे शरीर से चिपके हुए सारे प्राणियों को खाक कर देगी!
पर मैं सुरक्षित निकल जाऊंगा, क्योंकि ये प्राणी मेरे लिए कवच का काम करेंगे! मैं निकल आया! 'अग्निवृत्त' से बाहर! आऽऽऽह!
ध्रुव ने मृत्यु को एक बार फिर मात दे दी थी-

अब लुंटी के घर में पहुंचकर देखा जाए कि वहां पर क्या हुआ है! शायद वहां से मुझे कोई और सुराग मिल सके!
इस वक्त लुंटी का घर ढूंढ़ना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा! क्योंकि वह जगह पुलिस गाड़ियों से भरी होगी!
लुंटी के घर में भी हारून के घर जैसी हालत थी।
लुंटी के आदमी भी हारून के आदमियों की तरह ही भयभीत होकर 'मृत्यु' का नाम ले रहे हैं!
और लुंटी कहां है? जिन्दा है या मर गया?
मर गया? और हमारे डॉक्टर के अनुसार वह दिमाग की नस फटने से मरा है!
ये देखो! इसके साथ ही अंडरवर्ल्ड के दोनों बड़े गैंग लॉर्ड मर चुके हैं! अब अंडरवर्ल्ड अनाथ है!
ये क्या है? मोटी सुई जैसी चीज लगती है!
ऐसी ही सुई हमको हारून की लाश के पास भी मिली थी! उस वक्त हमने इस पर ध्यान नहीं दिया था!
शायद ये 'मृत्यु' का 'विजिटिंग कार्ड' है! मृत्यु से इसका कुछ न कुछ संबंध अवश्य है!
'मृत्यु' के साथ अगली मुलाकात से पहले मुझे भी तैयारी करनी होगी!

लुंटी की मौत के साथ-साथ, 'मृत्यु' को न मानने वालों को भी 'मृत्यु' पर विश्वास होता जा रहा था-
लुंटी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उसकी मौत दिमाग की नस फटने से हुई है! डॉक्टर इसको स्वाभाविक मौत बता रहे हैं!
जबकि हर आदमी इसको मृत्यु का कारनामा मान रहा है! इस बात की भी पुष्टि हो गई है कि लुंटी की मौत से ठीक पहले 'मृत्यु' उसके घर पर था!
क्या सचमुच में मृत्यु पृथ्वी पर आई है? वैसे सभी प्रूफ इसी तरफ इशारा कर रहे हैं!
यही सच है श्वेता! स्वामी भूतभूति का यज्ञ कभी निष्फल जा ही नहीं सकता! मान लो सच्चाई को!
और अगर नहीं मानती तो अगली मौत का इंतजार कर! उससे तेरे जैसे भ्रमित लोगों को भी यकीन हो जाएगा!
लेकिन राजनगर के दोनों बड़े माफिया डॉन तो मारे जा चुके हैं!
अब 'मृत्यु' किसकी जान लेगा?
यही सवाल मैं भी अपने आप से पूछ रहा था! अगर 'मृत्यु' वास्तव में मृत्यु ही है तो फिर इसका जवाब मुझको उस अधिकार पत्र में मिल जाना चाहिए, जिसको मैंने अलमारी में संभालकर रखा हुआ है!
वैसे 'मृत्यु' के अनुसार तो उसका काम खत्म हो चुका है!
'अधिकार पत्र' में ध्रुव के सवाल का जो जवाब था-
वह ध्रुव को हिला डालने के लिए काफी था-
हे भगवान! इस अधिकार पत्र में तो एक और नाम अपने आप उभर आया है, मेरा नाम!
यानी इस बार 'मृत्यु' मुझसे पीछा छुड़ाने की नहीं मुझे मारने की कोशिश करेगा! और अभी तक जो कुछ मैंने देखा और सुना है उसके अनुसार मेरा बच पाना असंभव है!

जो 'मृत्यु' हारून और लुंटी के गुप्त अड्डे को ढूंढ सकता है, उसके लिए मेरा पता ढूंढना मामूली बात है, क्योंकि मैं छिपकर नहीं रहता!
पर 'मृत्यु' को मैं यहां पर आतंक फैलाने के लिए आने नहीं दूंगा! इससे पहले कि मृत्यु मेरे पास आए...
... मैं मृत्यु तक पहुंचूंगा! और मुझे पता है कि उस तक कैसे पहुंचा जा सकता है!
और शीघ्र ही-
मृत्यु!
आ गया मैं! अब तुम मुझे मृत्यु-लोक ले जा सकते हो तो ले चलो!
ध्रुव! जानता था मैं कि तू आएगा!
इसीलिए मैंने तुम तक पहुंचने की कोशिश नहीं की! हा हा हा!
ये यंत्र! इसी की मदद से तू यहां तक पहुंचा है न!
ओ! यानी तुमको पता था कि मैंने तुम पर 'ट्रांसमीटर' चिपकाया हुआ है!

पता था! इसीलिए मैं यह भी जानता था कि तू स्वयं अपने प्राण देने मेरी बलिवेदी तक चलकर आएगा!
चारों तरफ मशालें जल उठीं! और एक खौफनाक दृश्य उभर आया-
हां! तुझे मौत से लड़ने का शौक है न! तो ले, लड़ अपनी मौत से!
ओह! मुझे यहीं पर नर्क की यातना देने का पूरा इंतजाम कर रखा है तुमने!
मृत्यु ने पृथ्वी पर ही एक नया नर्क बना दिया था-
ध्रुव के शरीर पर चेनें लिपटती गईं-
ओह! मुझे आजाद होना होगा! वर्ना 'मृत्यु' मेरा पकौड़ा बना देगा!
ये चेन छत से एक गोले के सहारे लटकी हुई है, जो एक छेद के अंदर फंसा हुआ है! अगर मैं उस जोड़ को खोल सकूं तो पूरी चेन खुल जाएगी!
और यह काम ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए!
और उसका शरीर उबलते तेल के कड़ाहे की तरफ खिंचने लगा-

ओ! तूने मशाल उतार ली! यानी तू तेल में उबलने से ज्यादा अच्छा आग में जलकर मरना समझता है!
ओफ! ये चेनें! ये मशाल को भी गिराना चाहती हैं और मुझे भी कड़ाहे की तरफ खींचना चाहती हैं! मुझे सारी चेनें खुलने तक अपनी सारी शक्ति लगाकर इस खंभे को पकड़े रहना होगा!
मरने का मुझे कोई शौक नहीं है! अब मैं अपने पैरों से मशाल पकड़कर छत के जोड़ों को गर्म करूंगा! धातु गर्मी पाकर बढ़ती है! गोलों को अटकाने वाले छेद भी गर्मी पाकर बढ़ेंगे और उसके अंदर फंसे लोहे के गोले बाहर निकल आएंगे!
चेनों को थामने वाले गोले तेजी से बाहर निकलते आ रहे थे-
जल्दी ही आखिरी गोला भी बाहर खिंच आया-
और ध्रुव आजाद हो गया-
तू प्रशंसा के योग्य है। तुझमें साहस है! बुद्धि भी है! लेकिन तू मृत्यु के सामने टिक नहीं पाएगा!
ओह! एकाएक मुझे कसकर डर लगने लगा है!

सारा शरीर थरथरा रहा है! खड़े होने तक हिम्मत नहीं है! ऐसा क्यों हो रहा है?
ये मृत्यु का डर है! मरने से पहले हर इंसान को लगता है!
तेरी गर्दन टूटने वाली है! तू भी मरने वाला है! इसीलिए तुझको डर लग रहा है!
मृत्यु का हाथ हिला-
और एक कड़ाक की आवाज के साथ ध्रुव की गर्दन घूम गई-
कड़ाक
और उसका शरीर कुछ पल छटपटाने के बाद-
शांत पड़ गया-
नब्ज गायब है! यानी मर गया सुपर कमांडो ध्रुव! मृत्यु के सामने टिक नहीं पाया बेचारा! मौत के डर ने इसको बचने का तरीका सोचने का मौका ही नहीं दिया!

खत्म हो गया मृत्यु का काम! अब मुझे...
... यह रूप रखने की कोई आवश्यकता नहीं है! हा हा हा! अब हम करेंगे राजनगर के अपराध साम्राज्य पर राज! और यहां से फैलाएंगे पूरी दुनिया पर अपना राज!
चारों तरफ होगा हमारा आतंक! हमारा दबदबा!
अपराध जगत का रास्ता तो तुमने अपने आप ढूंढ़ लिया! लेकिन यहां से एक रास्ता और आगे जाता है!
जेल का रास्ता डॉक्टर ठाका! और वह रास्ता तुमको मैं दिखाऊंगा!
सु... सुपर कमांडो ध्रुव! त... तुम जिन्दा हो! जिन्दा हो! लेकिन यह... यह कैसे हो सकता है! मैंने तो तुम्हारी नब्ज देखी थी! वह गायब थी!
वह इसलिए क्योंकि मैंने अपनी दोनों बाजुओं पर ये डोरी बांध रखी थी! जिसको नीचे गिरते वक्त मैंने कस लिया था! उसने मेरी बांह से रक्त संचार को काट दिया, और साथ ही साथ मेरी नब्ज चलनी भी बंद हो गई!
लेकिन... लेकिन तुम बच कैसे सके हो? मैंने तो तुम्हारे 'वू-डू' पुतले की गर्दन तोड़ दी थी!
वू डू! वह विद्या जिससे अपने शिकार का पुतला बनाकर पुतले के जिस अंग को नुकसान पहुंचाओ...

तो उस इंसान का वह अंग भी बेकार हो जाता है, जिसका पुतला बनाया गया है! एक मनोवैज्ञानिक के पास वू डू जैसी विद्या कहां से आई? ऐसे ही हारून और लुंटी को भी मारा गया होगा! शायद उनके पुतलों के दिल और मस्तिष्क में सलाईयां घुसाकर!
ठीक समझा तू! और उनके आदमियों को मेरी नर्व गैसों और माथे के स्टार से निकलती सम्मोहन तरंगों ने भयभीत और जड़ कर दिया था! एक मनोवैज्ञानिक को इन चीजों की जानकारी होना आम बात है!
और मेरी मोटरसाइकल को तोड़ने वाले और मुझे मस्तक तारे को छूने पर लगने वाले ऊर्जा वार! वह तुमने कैसे किया था?
हाई वोल्टेज की बिजली के द्वारा! मैंने पागलों को बिजली का झटका देने वाले एक ऐसे 'मिनी यंत्र' का अविष्कार किया है, जिसको शरीर पर बांधकर भी चलाया जा सकता है!
ऐसा ही एक यंत्र मेरे हथियार के अंदर फिट था! और दूसरा मेरी पीठ पर बंधा है! जिसका कनेक्शन मस्तक तारे से था!
लेकिन खूरखोर, उधेड़ी और नर्क के छोटे शैतान जैसे प्राणी तो असली थे! जीवित थे! वे कहां से आए थे?
तुमको पहली मुलाकात में मैंने आत्माओं के दर्शन ऐसे ही कराए थे! तुमको पूरी तरह से सम्मोहित तो मैं नहीं कर पाया, लेकिन मैंने तुम्हारे मस्तिष्क के दर्द वाले हिस्सों पर किरणों द्वारा वार करके तुमको दर्द का एहसास जरूर करा दिया!
दीवार में खुली उस दरार के अंदर उछाल दिया–
बताऊंगा! सब बताऊंगा! यह भी बताऊंगा कि यह सब किया क्यों गया?
लेकिन पहले इस बात का इंतजाम कर लूं कि यह सब सुनने के बाद तू सीधे मौत की राह पर चल देगा!
असावधान ध्रुव को चेन के उस वार ने–

* जूजू के बारे में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें केंचुली

राजनगर के अंडरवर्ल्ड पर कब्जा करने के लिए सिर्फ तीन बड़े डॉनों को हटाना था। बिल्लू शाह, हारून खान और लुंटी। बिल्लू शाह और हारून को तो हमने आपस में लड़वाकर एक को मरवा दिया! दोनों को ही एक दूसरे के बारे में गुप्त सूचनाएं देकर उकसाया था हमने। लेकिन यह तरीका दुबारा प्रयोग करने से माफिया डॉनों को शक हो सकता था। हम कोई नया तरीका सोच ही रहे थे कि स्वामी भूतभुनि ने खुद हमारा काम कर दिया। उसने मृत्यु को बुलाने का यज्ञ करके हमको आइडिया दे दिया। ठाका, मृत्यु बन गया, और अंडरवर्ल्ड के अपने संपर्क सूत्रों से हारून और लुंटी के छिपने के ठिकानों का पता लगाकर उनको खत्म कर दिया। मेरे बनाए वूडू पुतलों के जरिए, ताकि उनकी मौत स्वाभाविक लगे!
बाकी रहे वे 'नर्क के प्राणी' तो मैंने उनको अलग-अलग जीवों के डी॰ एन॰ ए॰ लेकर उनका मिश्रण बनाकर तैयार किया था। लेकिन उनकी कोशिकाओं में एक ऐसा तत्त्व भी मिला दिया था जो एक खास समय के बाद उनके शरीरों को गला दे ताकि हमारे खिलाफ कोई सुबूत न रहे।
वाह!
उनको ऐसे माहौल में ही पाला गया था कि उनको खुद अपने को नर्क का प्राणी होने का ही आभास रहे!
और वह 'अधिकार पत्र'? वह क्या चीज थी?
तुमको 'मृत्यु' पर विश्वास दिलाने की एक चीज थी।
और तुम्हारा नाम उसमें पहले से ही इसलिए लिखा गया था क्योंकि हमको हारून और लुंटी के बाद तुमको भी ठिकाने लगाना ही था। क्योंकि तुम्हारे रहते तो राजनगर तो क्या दुनिया के किसी भी अपराधजगत का पनपना मुश्किल है!
इसलिए उस पत्र को एक ऐसे खास रसायन से लिखा गया था जो कुछ-कुछ समय बाद खाल को गलाकर उसमें पहले से लिखा गया नाम उभार दे! मैंने तुम्हारे दिल में उठते सारे सवालों के जवाब दे दिए।
अब मुझे उन सवालों के जवाब दो, जिसके लिए मैंने तुमको जिंदा रखा हुआ है!

वैसे क्या कमी थी हमारे प्लान में जिससे तुमको हम पर शक हो गया! और सबसे बड़ा सवाल यह कि तुम मेरे वू डू के हमले से कैसे बचे?
मैं भी तुम्हारे सारे सवालों के जवाब दूंगा। लेकिन तब जब मैं तुमको उसी हालत में पहुंचा दूंगा, जिस हालत में मैं खुद हूं!
'स्टार-लाइट' के स्टार ने-
बिजली के मुख्य तार को काटकर शॉर्ट सर्किट कर दिया-
और अन्य मशीनों के साथ-साथ-
ध्रुव को जकड़ने वाले शिकंजों में भी ऊर्जा का प्रवाह ठप्प हो गया-
अब मैं तुमको बताऊंगा अपने बचने का राज!
राज तो तेरा मैं जरूर सुनूंगा! लेकिन तुझको बांधने के बाद...
... आऽऽऽह!
ऐसे तुझसे निपट पाना मुश्किल लग रहा है! तूने मेरे सारे यंत्रों को ठप्प करके मेरी शक्ति लगभग खत्म कर दी है! लेकिन एक हथियार अभी भी मेरे पास है!
जूभू की आस्तीन से निकला वह माइक्रो-इंजेक्शन-
डॉक्टर ठाका के शरीर में जा धंसा-
आऽऽऽह!
लगभग तुरंत ही डॉक्टर ठाका के शरीर में आश्चर्यजनक बदलाव होने लगे-

और कुछ ही पलों के बाद बदलाव पूरा हो चुका था–
ये... ये क्या बना दिया तुमने डॉक्टर ठाका को?
इसका काम भी पूरा हो चुका है! जूलू न तो पॉवर शेयर करता है, और न ही पैसा! मैंने पहले ही इसके शरीर में एक खास डी॰ एन॰ ए॰ को चुपचाप मिला दिया था! अब इस इंजेक्शन में भरे रसायन ने उस डी॰ एन॰ ए॰ को जाग्रत कर दिया है! इसके गलते शरीर में ग्लिसरीन की मात्रा बढ़ रही है और इसका दिमाग उस ग्लिसरीन को हवा के नाइट्रोजन के साथ मिलाकर नाइट्रोग्लिसरीन बना रहा है! एक शक्तिशाली विस्फोटक!
तड़ाक
कुछ ही मिनटों में ग्लिसरीन की मात्रा इतनी बढ़ जाएगी कि इसका शरीर बम की तरह फट पड़ेगा! और इसके साथ-साथ इसके शिकंजे में फंसे तेरे शरीर के भी चिथड़े उड़ जाएंगे! पर हां, तेरे पास बचने का एक रास्ता है! अगर तू इसको फटने से पहले बेहोश कर सके तो नाइट्रोजन और ग्लिसरीन का मिलना बंद हो जाएगा और तू बच जाएगा!
लेकिन ऐसा तू कर नहीं सकेगा! नहीं कर सकेगा!
सचमुच मेरा हाथ इसके हाथ के अंदर फंस कर रह गया है!

और अब इसका गलता हुआ शरीर मेरे दूसरे अंगों को भी ढक रहा है! और मेरे बलों का इस पर असर होने के बजाय मुझ पर असर हो रहा है! मेरे अंग इसके शरीर में फंसकर रह जा रहे हैं!
आऽऽऽह! छोटे धमाके भी होने शुरू हो गए हैं इसके शरीर में!
हा हा हा! हां! यानी इसके फटने का समय अब कुछ ही सेकेंड दूर है! बच सकता है तो बच ले ध्रुव!
ध्रुव ने मॉस्क को मोजे की तरह पलट दिया-
मैं इससे दूर हटकर नहीं बच सकता! अगर कोई बक्से जैसी चीज आसपास नजर आ जाए तो इसको उसके अंदर बंद करके शायद बच सकूं! ओऽऽऽह! शायद ये तरीका काम आ जाए!
ये मॉस्क मेरी मदद कर सकता है!
और ध्रुव ने उसको फिर से ठाका के चेहरे पर चढ़ा दिया-
ये... ये तू क्या कर रहा है? शायद तू डर से पागल हो गया है!
पागल तो अब तुम होगे जल्लू! मॉस्क पलटने से 'मस्तक तारा' अंदर की तरफ हो गया है! यानी अब वह ठाका की खाल के संपर्क में है! अब इस कनेक्शन को जोड़ते ही...

ठाका की पीठ पर लगे यंत्र से तेज झटका ठाका को भी लगेगा और मुझे भी!
आ ऽऽऽऽऽ ह!
आऽऽऽ
ऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ
लेकिन झटके को पहले ठाका का शरीर झेल रहा है। इसीलिए वह बेहोश हो जाएगा और मैं होश में रहूंगा!
इसके बेहोश होते ही इसके गले शरीर की पकड़ भी ढीली पड़ गई है! अब मुकाबला मेरे और तुम्हारे बीच में है नूनू!
मुझसे मुकाबला करोगे! मेरा और तुम्हारा कोई मुकाबला नहीं है ध्रुव! ये खास 'वायरस मिक्स' तुझे तीन सेकंड के अंदर मार देगा!
जरूर मार सकता होगा!
लेकिन तब, जब...
... जब तुम इसका ढक्कन खोलकर मुझ पर फेंक सको!
आऽऽऽह!
आऽऽऽह!
य... ये क्या हो रहा है? मेरे हाथ में एकाएक दर्द क्यों होने लगा?

❀ किशोर से ध्रुव की पहली मुलाकात पूर्व प्रकाशित कॉमिक वूडू में हुई थी

ठाका उन दोनों के पुतले तो वापस लेता गया था, लेकिन बेरव्याली में सलाईयां वहीं पर गिर गया था! मैं सलाईयां देखते ही समझ गया था कि ये 'वूडू' में प्रयोग आने वाली सलाईयां हैं! बस, मैंने तुरंत किशोर से संपर्क किया, और वूडू की काट यानी मंत्रित जल पीते ही यहां के लिए चल पड़ा!
तड़ाक

और फिर-
जनता में उपजे भ्रम को दूर करने के लिए मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मृत्यु का सशरीर आना अपराधी तत्वों की साजिश का नतीजा था! मेरे यज्ञ का नतीजा नहीं! और मैं ध्रुव को भी धन्यवाद देना चाहूंगा कि उसने राजनगर पर फैले संकट के साथ-साथ मेरा मतिभ्रम भी दूर कर दिया है।
देखा मम्मी!

बताओ, अब क्या कहती हो?
म... मैं तो पहले से ही अंधविश्वास में यकीन नहीं रखती! नेवर! मैं तो सिर्फ तुम्हारा इम्तहान ले रही थी! ये देखने के लिए कि कहीं तुम तो इन बकवास बातों में यकीन नहीं करती!
ही ही ही!
ही ही ही!

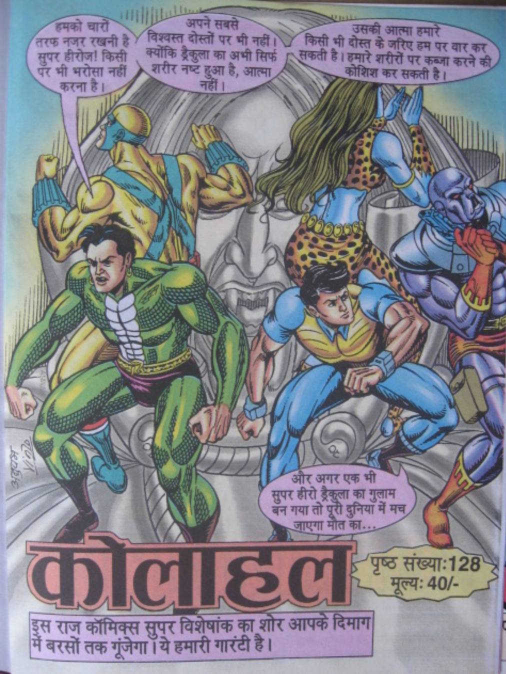
हमको चारों तरफ नजर रखनी है सुपर हीरोज! किसी पर भी भरोसा नहीं करना है।
अपने सबसे विश्वस्त दोस्तों पर भी नहीं। क्योंकि ड्रैकुला का अभी सिर्फ शरीर नष्ट हुआ है, आत्मा नहीं।
उसकी आत्मा हमारे किसी भी दोस्त के जरिए हम पर वार कर सकती है। हमारे शरीरों पर कब्जा करने की कोशिश कर सकती है।
और अगर एक भी सुपर हीरो ड्रैकुला का गुलाम बन गया तो पूरी दुनिया में मच जाएगा मौत का...
कोलाहल
पृष्ठ संख्या: 128
मूल्य: 40/-
इस राज कॉमिक्स सुपर विशेषांक का शोर आपके दिमाग में बरसों तक गूंजेगा। ये हमारी गारंटी है।